



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 4, 1986/पाँच 14, 1907

No. 4]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 4, 1986/PAUSA 14, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1985

का. आ. 4 (अ)—जब कि केन्द्रीय सरकार ने, परम्परागत कलाओं, शिल्पकलाओं, रत्नों और आभूषणों से सम्बन्धित उन मानव्य कलाकृतियों के कलात्मक और सौन्दर्यपरक महत्व के सम्बन्ध में विचार करने तथा उन पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक समिति गठित की है, (इसके बाद उसका “उक्त समिति” के रूप में उल्लेख किया जाएगा), जिन्हें भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) दिनांक 30 दिसम्बर, 1984 में प्रकाशित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 743 (अ), दिनांक 30 दिसम्बर, 1984 के द्वारा बहुमूल्य कलाकृति के रूप में घोषित किए जाने का प्रस्ताव है

और जबकि उक्त समिति का कार्यकाल भारत का राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii) दिनांक 3 दिसम्बर, 1983 में प्रकाशित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की अधिसूचना सं. का. आ. 843 (ई.), दिनांक 3 दिसम्बर, 1983 द्वारा, 30 दिसम्बर, 1983 से एक वर्ष के लिए और बढ़ाया गया था ;

और जबकि उक्त समिति का कार्यकाल भारत का राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii), दिनांक 29 दिसम्बर, 1984 में प्रकाशित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की अधिसूचना सं. का. आ.

979 (ई.) दिनांक 29 दिसम्बर, 1984 द्वारा, 30 दिसम्बर, 1984 से फिर एक वर्ष के लिए और बढ़ाया गया था,

और जबकि उक्त समिति का कार्यकाल 29 दिसम्बर, 1985 को समाप्त होने वाला है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार पुरावशेष और बहुमूल्य कलाकृति अखिलिखन 1972 (1972 का 52) की धारा 2 के उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के साथ पठित पुरावशेष और बहुमूल्य कलाकृति नियमावली, 1973 के नियम 2क के अनुपालन में, एतद्वारा उक्त समिति के कार्यकाल को 30 दिसम्बर, 1985 से और आगे एक वर्ष की अवधि के लिए बढ़ाती है।

[सं. 1/23/76-पुरा.]

डा. एम. एस. नागाराज राव, महानिदेशक

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th December, 1985

S.O. 4(E).—Whereas the Central Government has constituted a Committee for considering and submitting a report on the artistic and aesthetic value of human works of art relating to traditional arts,

crafts, gems and jewellery proposed to be declared as art treasures (hereinafter referred to as "the said Committee") by the notification of the Archaeological Survey of India No. G.S.R. 723(E), dated the 30th December, 1980, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 30th December, 1980:

And whereas the term of the said Committee was extended for one year more from the 30th December, 1983, by the notification of the Archaeological Survey of India, No. S.O. 883(E), dated the 3rd December, 1983, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 3rd December, 1983;

And whereas the term of the said Committee was further extended for one year more from the 30th December, 1984, by the notification of the Archaeological Survey of India No. S.O. 979(E), dated the

29th December, 1984, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 29th December, 1984;

And whereas the term of the said Committee is due to expire on the 29th December, 1985;

Now, therefore, in pursuance of rule 2A of the Antiquities and Art Treasures Rules, 1973, read with clause (b) of sub-section (1) of section 2 of the Antiquities and Art Treasures Act, 1972 (52 of 1972), the Central Government hereby further extends the term of the said Committee by a further period of one year with effect from the 30th December, 1985

[No. 1/23/76-Ant.]

DR. M. S. NAGARAJA RAO, Director General